देश में बढता जल संकट

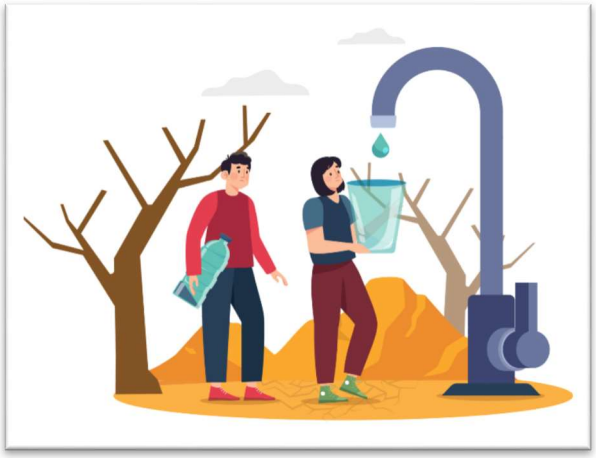

बेंगलुरू का जल संकट केवल वहाँ का नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकट है। अधिकांश भारतीय शहर गंभीर जलसंकट का सामना कर रहे हैं। इससे जुड़े कुछ बिंदु -

- बेंगलुरू का जल संकट संसाधनों की कमी के कारण नहीं है। यह खराब जल प्रबंधन, दूषित आपूर्ति, पानी के उपयोग में नासमझी, पाइपलाइन लीकेज और अनियोजित व्यापक शहरीकरण के कारण उत्पन्न हुआ है।

- शहर का विकास ऊर्ध्व और क्षैतिज रूप से हुआ है। हर एक क्षेत्र में कावेरी का जल नहीं पहुंच पाता है। जिन जलभृतों से इन क्षेत्रों में पानी आपूर्ति की जाती है, उन्हें रिचार्ज नहीं किया गया है।

- इन जलभृतों को रिचार्ज करने वाली 262 झीलों में से अब मात्र 81 ही बची हैं।

- अनियोजित शहरीकरण ने स्थानीय पारिस्थितिकी, जल विज्ञान और पर्यावरण को बदल कर रख दिया है। अनियमित वर्षा के साथ वाटर हार्वेस्टिंग की कमी से ऐसे संकट आते ही रहेंगे।

2021 की वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर की रिपोर्ट ने 30 भारतीय शहरों में ऐसे जलसंकट की चेतावनी दी है। अच्छा है कि इन शहरों के लिए तैयार जल-नीति पर कड़ाई से अमल किया जाए।

विभिन्न समाचार पत्रों पर आधारित। 11 मार्च, 2024